



बीवी की बड़े लंड की चाहत-1

“अपनी सहेलियों से मेरी बीवी को पता लगा कि उसे सेक्स का पूरा मजा नहीं मिल रहा है. उसे सहेलियों से पता लगा कि बड़े लंड से ज्यादा मजा आता है तो उसे बड़ा लंड लेने की चाहत होने लगी. ...”

Story By: (rumivasana)

Posted: Friday, August 9th, 2019

Categories: [इंडियन बीवी की चुदाई](#)

Online version: [बीवी की बड़े लंड की चाहत-1](#)

बीवी की बड़े लंड की चाहत-1

❓ यह कहानी सुनें

हाय दोस्तो, मेरा नाम प्रभात रॉय है। उम्र 34 साल, सामान्य कद काठी, खुले विचार, सेक्स का शौकीन अभी बताने के लिए इतना ही काफी है।

मेरी शादी करीब 6 साल पहले हुई थी। मेरी पत्नी का नाम कांची है, उसके साथ मेरी अच्छी पटती है।

शादी के बाद के 6 साल में हमने एक बच्चा पैदा किया है जिसकी उम्र अभी करीब दो साल है।

मैं अपनी पत्नी के साथ महीने में करीब 15 बार सेक्स करता हूँ मेरी पत्नी भी मेरा बराबर साथ देती है। हम अपनी लाइफ से संतुष्ट हैं या शायद थे।

बात करीब 6 महीने पुरानी है। जिस शहर में मेरी दुकान थी वहाँ ज्यादा कमाई नहीं थी और खर्चा ज्यादा तो दुकान पास के किसी गांव में शिफ्ट करनी पड़ी और बीवी के साथ वहीं रहने लगा।

कांची भी गांव में ही पली बढ़ी है तो सेट होने में ज्यादा दिक्कत भी नहीं हुई।

जल्दी ही आस पड़ोस की हमउम्र महिलाएं उसकी सहेलियाँ बन गयी। परिवार छोटा होने व घर का ज्यादा काम न होने की वजह से कांची समय बिताने आस पड़ोस में चली जाती। हमउम्र होने के कारण हर तरह की बातें होती। बातों बातों में कभी सेक्स का जायका भी लेती।

यहीं से मेरी कहानी शुरू होती है. दरअसल मेरा लिंग थोड़ा कम मोटा और लंबा है. हम

सेक्स तो करते और संतुष्ट भी थे पर जो बातें औरतों के बीच होती, उस लिहाज़ से मेरी पत्नी थोड़ा कम संतुष्ट थी और उसको सेक्स का असली रूप ही उसे उस मंडली से पता चला था।

अब हमारे बीच सेक्स तो होता पर वो आनन्द नहीं रहा। सेक्स तो वो मेरे साथ करती पर दिमाग में पड़ोसी रहते!

अब मुझे भी खुद पर यकीन नहीं रहा और तरह तरह की सेक्स वर्धक टेबलेट लेने लगा। मेरे मन में भी अपनी पत्नी को परमआनन्द दिलवाने के ख्याल आते।

एक दिन मैं अपनी पत्नी को पूरी नंगी करके चोद रहा था तो फिर से वो उसी लय में बात करने लगी. तो मैंने भी उसका दिल रखने के लिए बड़ा लंड दिलवाने का वादा कर लिया।

अब मेरी कांची ने बात पकड़ ली। अन्तर्वासना के किस्से पढ़कर मुझे भी अपनी कांची को किसी दमदार मर्द से चुदवाने का चाव तो लग ही गया था. पर यह संभव कैसे हो ... बस उसका कोई आईडिया दिमाग में आ ही नहीं रहा था।

इसका हल भी मेरी पत्नी ने ही निकाला.

दरअसल मेरा एक खास फ्रेंड था राँकी. उसकी पत्नी मेरी पत्नी की भी सहेली थी। वो दोनों कई बार सेक्स सम्बन्धी बातें करती थी तो राँकी की बीवी ने उसे राँकी के सामान के बारे में बताया था।

अब मेरी पत्नी और मैंने राँकी को ही अपना टारगेट बनाया।

हम चारों ने किसी हिल स्टेशन घूमने का प्लान बनाया। पर राँकी को अपना प्लान नहीं बताया। हमने उदयपुर, चित्तौड़ आदि जगह होते हुए माउंटआबू रुकने व घूमने का प्रोग्राम बनाया।

हम सब तय समय पर राँकी की गाड़ी लेकर निकल पड़े घूमने को। उदयपुर, चित्तौड़ गढ़ में घूमने में पूरा दिन निकल गया और इस बीच मेरी पत्नी ने राँकी से नजदीकियां बढ़ाने की शुरुआत कर ही दी।

अब जब सेक्स की सामने से दावत मिल रही हो तो कोई मर्द कैसे पीछे रह सकता है। मेरी कांची और राँकी की सेटिंग तो हो गयी पर प्रॉब्लम राँकी की वाईफ बन रही थी।

जब उदयपुर रात्रि विश्राम को रुके तो मेरी पत्नी ने बड़ी खुशी से मुझे अपना और राँकी का मामला बताया ओर आगे की योजना बनाने लगे।

उस दिन कई दिनों बाद मेरी कांची को चोदने में हम दोनों को सुकून मिला।

दूसरे दिन सवेरे उठते ही राँकी मेरे रूम में आया और कांची को गुड मॉर्निंग बोला. तो मैंने झट से कह दिया- अब दोस्त को भूल कर भाभी को मोर्निंग विश ?

वो झेंप गया पर मेरी कांची ने बात संभालते हुए बोली- दोस्त को रोज सुप्रभात कहते ही हैं, मैं तो आज ही साथ हूँ।

इस तरह हम उदयपुर से निकलकर माउंट आबू के लिए निकल लिए।

गाड़ी राँकी ड्राइव कर रहा था तो उसकी पत्नी उसके पास वाली सीट पर बैठी थी, कुछ दूर जाकर मैंने जानबूझकर राँकी से कहा- तुम थक गए होंगे तो ड्राइव में कर लेता हूँ।

अब राँकी पीछे की सीट पर आ गया और मैं ड्राइव करने लगा। राँकी की पत्नी मेरे बगल में बैठी थी और मेरी पत्नी राँकी के साथ। मैं उनकी हरकतें दर्पण से देख रहा था और मन ही मन खुश भी हो रहा था कि हमारा आईडिया काम कर रहा है।

इस तरह करीब 11 बजे हम माउंटआबू पहुँचे। होटल पहले से ही बुक था, हम अपने अपने रूम में गए।

आज मेरी कांची बहुत खुश लग रही थी।

रूम में जाते ही कांची ने अपने सारे कपड़े निकाल दिए और मुझे भी नंगा कर दिया। फिर हाथ पकड़ कर मुझे बाथरूम में ले गयी। बाथरूम में शावर के नीचे नहाते हुए दोनों ने एक दूसरे को खूब मसला। दोनों के नंगे बदन ऐसे रगड़ रहे थे जैसे चक्की के दो पाट। आज कई दिनों बाद मेरा लंड भी फुल साइज में खड़ा था और कांची उसे अपनी चूत में लेने के लिए तड़फ रही थी।

उस टाइम हम दोनों ने हर आसन में चुसाई से चुदाई तक भरपूर सेक्स किया। उस दिन की चुदाई के बाद तो कांची भी कह उठी- हमेशा ऐसी चुदाई करते तो आज ये सब करना ही नहीं पड़ता।

पर यह जोश किसी के हाथ में तो होता नहीं।

नहा धोकर जब बाहर निकले तो राँकी बाहर ही इंतज़ार कर रहा था, वो झट से बोल उठा- आज तो बड़ी देर लगा दी नहाते हुए ?

मैंने कहा- ऐसी कोई बात नहीं, थकान की वजह से जरा आंख लग गयी थी।

अब हम माउंट आबू में होटल से बाहर निकले और रेस्टोरेंट में खाना खाया। उस दौरान कांची और राँकी आमने सामने बैठे और टेबल के नीचे से एक दूसरे के पैर रगड़ने लगे। राँकी की वाइफ तो खाने में मग्न थी पर मेरा पूरा ध्यान उनकी हरकतों पर था। मैंने कांची के सामने देखा तो वो मुस्करा रही थी।

खाना खाकर हम वही आस पास मार्केट में घूमने निकले।

घूमते घूमते राँकी का पैर एकदम से मुड़ गया और वो मोच खा बैठा। बाद में कांची ने बताया कि वो जान बूझकर किया गया नाटक था।

होटल पास ही में था तो हम किसी तरह सहारा देकर राँकी को रूम पर ले आये और उसी के रूम में बैठ कर गप्पें लगाने लगे ।

राँकी की पत्नी थोड़ा अपसेट लग रही थी । जब हमने पूछा तो रुआँसी होकर बोली- आबू घूमने का कितना मन था पर अब घूम ही नहीं पाऊंगी ।

राँकी बोला- क्यों नहीं घूम पाओगी ? कांची भाभी और भाईसाब के साथ घूम आओ ।
“तो फिर आपका खयाल कौन रखेगा ?” राँकी की वार्डफ ने पूछा ।

तो मैं बोला- आप और कांची चले जाओ, राँकी का खयाल मैं रख लूंगा.
पर बात यहाँ भी नहीं बनी क्योंकि कांची अकेले औरतों के जाने से डर रही थी या बहाना बना रही थी.

तो अब तय हुआ कि मैं राँकी की वार्डफ को घुमा के आऊंगा और कांची राँकी का खयाल रखेगी ।

यह हम तीनों के मन की मुराद पूरी होती दिख रही थी ।

मैं और राँकी की वार्डफ लक्खी लेकर और अन्य जगह घूमने निकल गए ।

अब आगे की कहानी कांची की जुबानी ।

जैसे ही प्रभात और भाभी जी बाहर निकले, मैं भी उन्हें रिक्शा में बैठाने उनके पीछे पीछे गयी ।

जैसे ही वो रवाना हुए, मेरे पति प्रभात ने मुझे आँख मारकर बेस्ट ऑफ लक बोला । सामने से मैंने भी उसे आँख मार कर रिप्लाई किया ।

मैं जल्दी से अपने रूम में आई और जल्दी से पारदर्शी नाइटी पहनी और चुदवाने की उतावल में राँकी के रूम में पहुंच गई ।

राँकी तो जैसे मेरी राह ही तक रहा था। उसने अपने ऊपर के कपड़े तो पहले ही फेंक दिए थे। मुझे देखते ही दरवाजे की तरफ लपक पड़ा जैसे मेरी अगवानी करने आया हो। मैं भी जाकर सीधा उसके गले से लिपट गयी।

राँकी मेरी पीठ को सहलाने लगा और पीछे से मुझे दबाने लगा जिससे मेरे नर्म गद्देदार चुचे उसके मर्दाने सीने में चुभने लगे। मैंने भी उसे पूरी आजादी दे दी थी। अब ना मैं सहन कर पा रही थी, ना राँकी के बस में था अपने को रोकना।

उसने जल्दी ही मेरा गाउन और ब्रा पेंटी मुझसे अलग कर दिए। मैंने भी उसके जिस्म पर बचे अंडरवियर से उसके लंड को आजाद कर दिया। उसका मूसल लन्ड किसी सांप की भांति फुंफकार रहा था।

उसका लन्ड देखते ही मेरे जिस्म में आग भर गई। मैंने उसका लण्ड हाथ में लिया और सहलाने लगी। राँकी का लंड 8 इंच से तो ऊपर ही था ओर मोटा भी मेरे मन माफ़िक।

मैं लन्ड को सहला रही थी और राँकी मेरे चुचों से खेल रहा था। उसने मेरे एक चुचे को मुँह में और दूसरे को हथेली में लेकर मुझे पूरी तरह गर्म कर दिया।

वो अब मेरी पीठ को दबा कर मेरा मुँह अपने लन्ड के पास लाया। मैंने भी उसका लन्ड झट से मुँह में ले लिया और किसी लॉलीपॉप की भांति चूसने लगी। राँकी आह भरकर रह गया।

कुछ देर लन्ड चुसाई के बाद राँकी ने मुझे उठाया और अपने बिस्तर पर ले आया। मैं थोड़ी हैरान थी कि थोड़ी देर पहले जो चल भी नहीं पा रहा था वो मुझे उठाकर बेड पर ले आया। जब राँकी से पूछा तो वो बोला- अगर यह बहाना नहीं बनाता तो क्या हम तुम इस हालात में होते ?

यह सुनकर तो मैं उससे चिपट गयी और उसे चुम्बनों से नहला दिया।

वो भी जल्दी ही मेरी चूत तक पहुंच गया और अपनी जीभ से मेरी चूत का रसपान करने लगा। मेरी चूत की आंखें खुशी से छलक गयी और राँकी उसके आँसू (रस) पूरा ही पी गया।

अब वो उठा और मेरी दोनों टांगों को अपने हाथों से ऊंचे उठाया और पोजिशन बनाकर मेरी चूत का बरसों का इंतजार खत्म किया।

अब राँकी का मूसल मेरी फूल सी चूत की गहराई में उतर रहा था और भी उसके हर धक्के का उसी की तरह साथ दे रही थी।

आज मुझे असली लौड़े का अहसास अपनी चूत में हुआ था.

मेरी चुदाई चल रही थी, तभी मेरी मोबाईल पर कोई कॉल आया। पर मैंने उस कॉल से ज्यादा अपनी चुदाई में दिलचस्पी दिखाई। मैं 'आह ... उम्ह... अहह... हय... याह... राँकी और जोर से ... आह मजा आ रहा है!' आदि तरह की आवाजें निकाल रही थी।

मेरी चूत चोदते चोदते राँकी भी हाँफने लगा था। अब हम दोनों चर्मोत्कर्ष पर थे, बस होड़ थी कि पहले कौन झड़े. पर यह होड़ में आखिर में ही हार गई। मैं झड़ कर निढाल हो गयी।

अगले ही पल राँकी के लन्ड ने भी अपना काम पूर्ण किया और वीर्य का एक फव्वारा निकला और मेरी चूत को लबालब कर गया। राँकी मेरी ऊपर ही पसर गया और हाँफने लगा।

कुछ देर आराम करने के बाद जब घड़ी में समय देखा तो शाम के 5.30 बज रहे थे। मोबाईल में प्रभात का कॉल आया हुआ था।

मैंने वापस कॉल किया तो प्रभात ने बताया कि बाहर जोरदार बारिश चल रही है और अभी कोई ओटो टेक्सी नहीं मिल रही है तो आने में समय लगेगा।

यह सुनकर तो मैं और भी खुश हो गयी और प्रभात को कहा- आप कोई तरह की चिंता ना

करें, मैं राँकी भाईसाब का अच्छे से ख्याल रख रही हूँ. और अब दर्द भी कम है.
तो प्रभात भी समझ गए कि कौनसा दर्द कम है।

जब मैंने राँकी को बताया कि वे लोग देर से आयेंगे तो वो खुशी से उछल पड़ा।

मैंने खिड़की से बाहर झाँका तो बारिश अपनी गति से चल रही थी।

राँकी बोला- चलो बाहर बारिश में नहाते हैं।

मैंने जल्दी से गाउन पहना और राँकी ने सिर्फ पैट और हम दोनों बारिश में नहाने लगे।

आज पहली बार बारिश में नहाने का भी अलग ही आनन्द आ रहा था। मैं और राँकी बाँहों में बाँहें डाल कर फिल्मी स्टाइल में झूम रहे थे। बारिश में भीग कर मेरे चुचे गाउन में चमक रहे थे। जिसे देखकर राँकी का पेंट भी तम्बू बना हुआ था।

आसपास के लोग हमें पति पत्नी समझ रहे थे और हम भी हद में ही थे।

जब नहाकर थक गए तो दोनों रूम में गए और बाथरूम में घुस गए। अब शावर के साफ पानी में साथ में ही नहाने के लिए दोनों ने अपने कपड़े अपने बदन से अलग किये। अब हम दोनों फिर से जन्मजात नंगे थे।

शावर लेते हुए हमने चुदाई का एक और दौर चलाया। इस बार राँकी ने मुझे डॉगी स्टाइल में चोदा। मैं सुबह से तीसरी बार चुद रही थी तो अब मेरी चूत ने जवाब दे दिया था। मैं थक कर चूर हो गयी थी।

राँकी भी 8-10 मिनट में झड़ गया और मेरे से अलग हो गया।

अब हम लोगों ने अपने अपने कपड़े पहने और राँकी ने रूम सर्विस को चाय का बोला।

थोड़ी देर हमने इधर उधर की बातें की। बाहर बारिश लगभग बन्द सी हो गयी थी। पहाड़ी

इलाका होने से झरनों की आवाजें आ रही थी।

इतने में वेटर चाय और बिस्किट ले आया। हमने साथ बैठ कर चाय पी और मूड बहलाने के लिए बाहर निकले।

बाहर का नजारा देखकर तो डर गए। बारिश ने तो बाहर तबाही मचा रखी थी। जहाँ तहाँ पेड़ गिरे हुए थे और ट्रैफिक का भी बुरा हाल था। लगता था कि जो तूफान अभी अभी राँकी के रूम में आया था, उससे भी बड़ा तूफान बाहर आया होगा।

हमें प्रभात और निक्कू (राँकी की वाईफ) की टेंशन होने लगी। राँकी ने अपनी वाईफ को कॉल किया पर उसे नेटवर्क की वजह से कॉल नहीं लगा तो मैंने प्रभात के नंबर पर कॉल किया।

प्रभात ने बताया कि बारिश की वजह से रास्ता बंद हो गया है जो सुबह से पहले नहीं खुल सकता है। हम दोनों सुरक्षित हैं और एक होटल में रूम लेकर रात बिता लेते हैं। सुबह रास्ता खुलते ही लौट आएंगे।

यह सुनकर राँकी थोड़ा टेंशन में दिखा।

तो मैंने कारण पूछा।

राँकी बोला- प्रभात और निक्कू अकेले वहाँ ?

तो मैं बोली- जब मैं आपके साथ यहाँ अकेली हूँ तो क्या उनका हक नहीं बनता ? और वो दोनों समझदार हैं, अपना फैसला खुद ले सकते हैं। जस्ट चिल्ड यार !

और मैंने राँकी के लन्ड को दबा दिया।

राँकी समझ गया और मेरे चुचों से खेलने लगा।

मैंने उसे रोका- अब यह सब रात को आराम से करेंगे। अब मुझे भूख लग रही है।

रॉकी ने मोबाइल में टाइम देखा तो रात के 8.00 बज रहे थे। हमने होटल के ही रेस्तरां में खाना आर्डर किया और फ्रेश होकर रेस्तरां में चले गए।

करीब आधा घंटा में खाना आया, हमने खाया तब तक नौ बज चुके थे।

रॉकी बोला- तुम रूम में जाओ, मैं अभी आता हूँ।

मैं रॉकी के रूम में चली गयी और पूरी नंगी होकर अपने मोबाइल में अन्तर्वासना खोल कर सेक्सी कहानी पढ़ने लगी।

करीब बीस मिनट बाद रॉकी दो आइसक्रीम लेकर आया। मुझे नंगी देखकर वो खुश हो गया और आइसक्रीम साइड रखकर मेरे ऊपर ही चढ़ गया।

मैंने उसे दूर हटाया और एक आइसक्रीम उसे पकड़ाई और एक खुद खाने लगी। आइसक्रीम का स्वाद थोड़ा अजीब लग रहा था पर मैंने इग्नोर किया और पूरी आइसक्रीम खत्म की।

कुछ ही देर में मेरी चूत में अंगारे भड़कने लगे। तब तक रॉकी भी नंगा हो गया था। मैंने सीधा रॉकी के लण्ड में हाथ डाला। उसका लण्ड भी कुछ ज्यादा कड़क लग रहा था तो मैंने रॉकी से वजह पूछी।

रॉकी बोला- आइसक्रीम में मैंने सेक्सवर्धक दवा मिलाई थी। अब तुझे चुदने में मुझे चोदने में दुगना मजा आएगा।

अब रुकना मेरी सहनशक्ति से बाहर था। मैंने रॉकी को खींच के बेड पर पटक दिया और खुद उसके ऊपर चढ़ गई। रॉकी का लण्ड अपने हाथ से ही अपनी चूत में सेट करके पूरा अंदर ले लिया।

इस बार चूत को भी कुछ ज्यादा ही दर्द हुआ और मेरी चीख निकल गयी। अब मैं होश में नहीं थी मैं रॉकी को गालियां बकने लगी- मादरचोद, पहले नहीं ला सकता था यही आइसक्रीम ... भोसड़ी के बहुत मज़ा आ रहा है तेरा लौड़ा लेकर। काश तू मेरा पति होता तो मैं रोज तुझसे ही चुदवाती। तेरी पत्नी बहुत किस्मत वाली है जो उसे इतना मोटा लौड़ा मिलता है।

रॉकी- रण्डी ... आज ले ले तेरी जिंदगी का आनन्द ... मिटा ले अपनी चूत की खूजली! पूरे कर ले अपने अरमान और मुझे भी निहाल कर दे। साली निक्कू को चोद चोद कर पक गया था। आज तेरी चूत को जी भर कर चोदूंगा मेरी रानी।

इन्ही बातों के साथ रॉकी मेरी चूत की माँ बहन एक कर रहा था और मेरे नीचे से गांड उठा उठा कर मेरा साथ दे रहा था।

15-20 मिनट की चुदाई के बाद मैं दो बार झड़ चुकी थी पर रॉकी अभी भी लगा हुआ था। अब उसने मुझे घोड़ी बनाया और पीछे से चूत में धमाचौकड़ी मचा दी।

करीब आधा घंटा बाद सब वह स्वलित हुआ. तब तक मेरी चूत का पकोड़ा बन चुका था। पर उसका लन्ड फिर भी अच्छा लग रहा था। रॉकी ने चुदाई पूरी करके लन्ड बाहर निकाला. तब चूत के दर्द का कुछ अहसास हुआ पर इस परम आनन्द के आगे वो दर्द कुछ भी नहीं था।

फिर मैं बाथरूम गयी और फ्रेश होकर रॉकी के साथ नंगी ही सो गई।

सुबह जब दरवाजे पर दस्तक हुई तो हमारी आंख खुली और जल्दी से कपड़े पहन कर मैंने ही दरवाजा खोला।

बाहर प्रभात और निक्कू खड़े थे।

घड़ी में समय देखा तो 10.30 बज रहे थे। थकावट में कब दिन निकला पता ही नहीं चला। मुझे प्रभात से तो प्रॉब्लम थी ही नहीं ... पर निक्कू से आंख मिलाना मुश्किल हो रहा था. पर कुछ, यही हाल निक्कू का देख कर मैंने राहत की सांस ली।

पति के दोस्त के लम्बे मोटे लंड से मेरी चुदाई और मेरी इच्छापूर्ति व वासना तृप्ति की कहानी कैसी लगी ?

rumivasana@gmail.com

आगे की कहानी : [बीवी की बड़े लंड की चाहत-2](#)

Other stories you may be interested in

बीवी की बड़े लंड की चाहत-2

बीवी की अदला बदली की मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग बीवी की बड़े लंड की चाहत-1 में अब तब आपने पढ़ा कि कैसे मेरी बीवी होटल के कमरे में मेरे दोस्त के लंबे लंड से चुदी और अपनी मन [...]

[Full Story >>>](#)

अमेरिका में साली की चूत गांड चोद दी-2

कहानी के प्रथम भाग में आपने पढ़ा था कि मुझे अपने साढ़ू के इलाज के लिए अमेरिका में अपनी साली के साथ जाना पड़ा. वहां पर सर्दी ज्यादा होने की वजह से मैंने और मेरी साली ने शराब के नशे [...]

[Full Story >>>](#)

याराना का चौथा दौर-4

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा था कि श्लोक और नील ने मिल कर अपनी बीवियों की सुंदर दिखने की आपसी प्रतिस्पर्धा का फायदा उठाते हुए उन्हें उकसाया. बात उनके चूचों का माप लेने से शुरू हुई. अब बारी [...]

[Full Story >>>](#)

याराना का चौथा दौर-3

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मेरा (राजवीर का) साला श्लोक मेरे साथ गोवा जा रहा था. फ्लाइट में उसने अपने दोस्त नील के साथ हुई जुगलबंदी का जिक्र किया जिसमें कि श्लोक और नील ने मिल कर [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की सहेली ने चुदाई के लिए ब्लैकमेल किया-2

मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग भाभी की सहेली ने चुदाई के लिए ब्लैकमेल किया-1 में आपने पढ़ा कि एक दिन मैं भाभी की गांड मार रहा था तो उनकी सहेली आ गयी, उसने हमारी चुदाई देख ली और विडियो [...]

[Full Story >>>](#)

